कुक्कुट उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं स्तर तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामांकन के लिए पात्र होगा।

1. **पाठ्यक्रम का नाम :** कुक्कुट उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. **उद्देश्य** : निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन ऐसे उद्यमियों को विकसित करना है जो वैज्ञानिक दृष्टि से फार्म अथवा इकाई की स्थापना एवं प्रबंधन कर सकें।
   - **अ.** युवा किसानों तथा उद्यमियों की दक्षता वृद्धि
   - **ब.** युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना
   - **स.** पशुपालन कार्यक्रम के प्रति युवाओं की रूचि बढाना
   - **द.** प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तथा संगठित फार्म से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना
3. **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि** – दो माह।
5. **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)
6. **शुल्क राशि** – 1000/– रू. प्रतिमाह
7. **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेंगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठयक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठयक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठयक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
11. **संपर्क सूत्र** – प्रो. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
    डॉ. रजनी अरोड़ा, सहायक आचार्य, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 9414080359

12 **पाठ्यक्रम** – निम्नानुसार

सैद्धांतिक पाठ्यक्रम

1. बतख, बटेर, टर्की, गिनी मुर्गा, मुर्गीपालन और स्वदेशी मुर्गियों सहित कुक्कुट की सामान्य नस्लें और उनका विवरण
2. मुर्गियों में प्रजनन, नर और मादा प्रजनन तंत्र
3 अंडों का निर्माण, अंडे की संरचना
4. कुक्कुट और उनके उत्पादों का आर्थिक महत्व, कुक्कुट के महत्वपूर्ण आर्थिक अभिलक्षण यथा अंडे उत्पादन, अंडे की गुणवत्ता, अंडे का वजन, वृद्धि
5. कुक्कुट में आहार उपभोग तथा आहार कुशलता
6. वैज्ञानिक ब्रूडिंग और चूजा, बतख, बटेर, टर्की और गिनी मुर्गा का वैज्ञानिक पालन
7. कुक्कुट के प्रकार
8. ग्रामीण पोल्ट्री के लिए अंडा उत्पादन हेतु सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में विकसित पक्षियों की नई रंगीन पंख युक्त किस्मों का ज्ञान
9. मिश्रित कृषि और कुक्कुट पालन
10 चिकन तथा पॉल्ट्री के अन्य वर्गों का व्यावसायिक उत्पादन
11. पॉल्ट्री के विभिन्न वर्गों का आहार और जल का प्रबंधन
12 कुक्कुट और कुक्कुट उत्पादों का विपणन
13 टीकाकरण कार्यक्रम, टीकाकरण से पूर्व एव पश्चात् देखभाल। चिकित्सा, औषधि क्षेपण के प्रकार, सामान्य सिद्धांत और सावधानियां जल और आहार द्वारा औषधि क्षेपण को महत्व देते हुए
14. कुक्कुट का गर्मी, वर्षा और सर्दी के मौसम के दौरान विशेष प्रबंधन
15 कुक्कुटशाला में लीटर प्रबंधन

<u>प्रायोगिक</u>

चाट, मॉडलों और मूलभूत प्रयोगशाला की सुविधाएं और फार्म प्रथाओं के माध्यम से निम्नलिखित का आरम्भिक व्यावहारिक अध्ययन

1. कुक्कुट की विभिन्न नस्लों की पहचान एवं कुक्कुटशाला में उनका प्रबंधन।
2. पालतू कुक्कुट के तोल और पहचान के तरीके
3. चूजों का ब्रूडिंग प्रबंधन
4. कुक्कुटशाला में अण्डों का प्रबंधन एवं संग्रहण
5. कुक्कुटशाला में विभिन्न दस्तावेजों का अभिलेखन
6. कुक्कुट के आहार एवं भोजन के प्रकार
7. कुक्कुटों में टीकाकरण
8. कुक्कुटशाला में प्रयुक्त उपकरण